

सेमेस्टर –IV
पर्यावरण और हिंदी साहित्य
Elective Course – DSE5

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पर्यावरण और हिंदी साहित्य(DSE5)	4	3	1	0	हिंदी के साथ 12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना ।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना ।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे ।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे ।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे ।

इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास(12 घंटे)

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति(12 घंटे)

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 3 : कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण (12 घंटे)

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) : फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीव

इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना(9घंटे)

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

सहायक ग्रंथ:

1. राजस्थान की रजत बूँदें – अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली ।
2. विकास और पर्यावरण – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली ।
3. जल, थल, मल – सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली ।
5. साफ माथे का समाज – अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली ।
6. विचार का कपड़ा – अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. तालाब झारखंड – हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर ।
9. गांधी हैं विकल्प – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर ।